AECC – 4.5

I Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, December 2024/January 2025
(NEP Scheme) (Repeaters)
HINDI (Paper – I)
Niband, Karyalay Hindi aur Sankshepan

Time : 2½ Hours Max. Marks : 60

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए । (10×1=10)

1) विशाला पुरी की स्थापना इक्ष्वाकु वंश के किस पुत्र ने की थी ?

2) विश्वविख्यात लेखक एच. जी. वेल्स की पुस्तक का क्या नाम था ?

3) आनन्द का सम्बन्ध किससे है ?

4) तुलसीदास की रचना का नाम क्या था ?

5) ब्रिटिश शासन के दौरान भारत की जनसंख्या कितनी थी ?

6) 'पीछे मत फेंकिये' निबंध के लेखक कौन है ?

7) लेखक विद्यानिवास मिश्र किस महान व्यक्तित्व पर लिखना चाहते थे ?

8) गरुदेव रविन्द्रनाथ ठाकुर की चप्पल के साथ क्या हुआ था ?

9) नादिरशाह ने किसकी बातों से प्रभावित होकर दिल्ली का कल्लेआम बन्द किया था ?

10) आलोपी के चक्षु के अभाव की पूर्ति किसने की ?

II. किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (2×7=14)

1) हमारी शिष्टता की परीक्षा तब नहीं हो सकती, जब कोई बड़ा अतिथि हमें अपने कृपा का दान देने घर में आता है ।

2) उसे बुरा लगा । बुरा लगने की बात है । जो सुन्दरियों के चेहरे सुधारने का कारीगर है, उसे मैंने सीढ़ी सुधारने के लिए कहा ।

3) गाँधी जी को उनके सब कार्यकर्ता बापू कहते थे, और उनके साथ बाप जैसा ही बेतकुल्लुफ व्यवहार करते थे ।

SRI BHAGAWAN MAHAVEER JAIN COLLEGE KGF-563 122

III. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए । (1×16=16)

1) 'आनंद के क्षण' निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

2) 'वैशाली' अध्याय के आधार पर वैशाली नगर की विशेषताओं के बारे में बताइए ।

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए । (1×5=5)

1) आलोपी का संघर्ष

2) वसन्त और कौआ

V. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए । (2×4=8)

1) आलेखन किसे कहते है और उसके कितने प्रकार है ?

2) प्रतिवेदन के मुख्य तत्व क्या–क्या होते है ?

3) टिप्पण किसे कहते है ?

VI. निम्नलिखित गद्यांश को उचित **शीर्षक** देते हुए **एक तिहाई** शब्दों में संक्षेपण कीजिए । 7

कवि का काम है कि वह प्रकृति–विकास को खूब ध्यान से देखे । प्रकृति की लीला का कोई ओर–छोर नहीं, वह अनंत है । प्रकृति अद्भुत खेल खेला करती है । एक छोटे से फूल में वह अजीब कौशल दिखलाती है । वे साधारण के ध्यान में नहीं आते । वे उनकी समझ में नहीं आ सकते, पर कवि अपनी सूक्ष्म दृष्टि से प्रकृति के कौशल अच्छी तरह देख लेता है, उनका वर्णन भी वह करता है । उनसे नाना प्रकार की शिक्षाएँ भी वह ग्रहण करता है और संसार को लाभ भी पहुँचाता है । जिस कवि में प्राकृतिक दृष्टि और प्रकृति के कौशल को देखने और समझने की जितनी ही अधिक शक्ति होती है, वह उतना ही महान कवि होता है ।

BHAGAWAN MAHAVEER JAIN COLLEGE KGF-563 122